

20/8/11

पचावली पेस डई। वारी व वारी वरी
 वी एमिग वारी व वारी वरी व
 अक अकका का-का अलाज लगी
 वई। का-का अलाज लगी व व
 भी वारी व वारी वरी लगी एमिग
 लिलाग वारी वी 915 अम एगी व
 अम वी वी वी वरी किम लगी
 वी पचावली लिलाज एगी नगी व
 वरी वी वरी वरी वरी वरी वरी

(Faint, illegible handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page)